

मुलायम सिंह यादव की केंद्रीय राजनीति में भूमिका

डॉ. लोकेश कुमार शर्मा*

* एसोसिएट प्रोफेसर, मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ (राज.) भारत

शोध सारांश – मुलायम सिंह यादव, भारतीय राजनीति के एक प्रमुख नेता और समाजवादी विचारधारा के प्रतीक माने जाते हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में तो उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा ही है, लेकिन उनके केंद्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुलायम सिंह यादव न केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे, बल्कि केंद्रीय राजनीति में भी उनके प्रभावशाली कदम और रणनीतियां उन्हें एक अद्वितीय नेता के रूप में स्थापित करती हैं। यह रिसर्च पेपर मुलायम सिंह यादव की केंद्रीय राजनीति में भूमिका, उनके योगदान और उनकी रणनीतियों का गहन विश्लेषण करता है।

प्रारंभिक जीवन और राजनीतिक कैरियर की शुरुआत – मुलायम सिंह यादव का जन्म 22 नवंबर 1939 को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गांव में हुआ था। एक किसान परिवार से आने वाले मुलायम सिंह यादव ने राजनीति में अपने करियर की शुरुआत समाजवादी आंदोलन से की। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1967 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में की, जब उन्होंने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता। इस दौरान, उन्होंने राम मनोहर लोहिया के विचारों को अपनाया और समाजवादी आदर्शों के प्रति अपनी निष्ठा दिखाई।

मुलायम सिंह यादव: संसद में योगदान और राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका – मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक कैरियर केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय राजनीति के ऐसे नेता रहे जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को उठाया।

केंद्रीय राजनीति में प्रवेश – 1989 में जब जनता दल सत्ता में आई, तो मुलायम सिंह यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि, उनका असली राजनीतिक सफर तब शुरू हुआ जब उन्होंने समाजवादी पार्टी की स्थापना की और खुद को एक राष्ट्रीय नेता के रूप में प्रस्तुत किया। 1996 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने महत्वपूर्ण सीटें जीतीं और मुलायम सिंह यादव केंद्र में रक्षा मंत्री बनाए गए। यहीं से उनकी केंद्रीय राजनीति में वास्तविक भूमिका शुरू होती है।

लोकसभा सदस्य के रूप में – मुलायम सिंह यादव ने अपने राजनीतिक कैरियर में कई बार लोकसभा के सदस्य के रूप में सेवा की। पहली बार 1996 में, वे मैनपुरी से लोकसभा के लिए चुने गए। इसके बाद, वे कई बार लोकसभा के लिए चुने गए और उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों पर संसद में अपनी बात रखी।

मुलायम सिंह यादव ने संसद में किसानों, मजदूरों, और गरीबों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। वे हमेशा से ही ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत रहे। संसद में उनके

वक्तव्य अक्सर गरीबों और वंचितों के अधिकारों की रक्षा के लिए होते थे। उन्होंने कई बार कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से संबंधित नीतियों की वकालत की और सरकार की योजनाओं का समर्थन किया, जो समाज के निचले तबके के लोगों के लिए फायदेमंद थीं।

केंद्रीय मंत्री के रूप में योगदान – मुलायम सिंह यादव ने 1996 से 1998 तक भारत के रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान, उन्होंने भारतीय सेना की मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया। उनका कार्यकाल कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा, खासकर जब उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर जोर दिया।

उनके कार्यकाल के दौरान, मुलायम सिंह यादव ने भारत की रक्षा नीति में सुधार किया और सेना के आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने सेना के जवानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए और उनकी जीवन परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। इसके अलावा, उन्होंने भारत के पड़ोसी देशों के साथ सैन्य संबंधों को भी मजबूत करने का प्रयास किया।

समाजवादी विचारधारा और केंद्रीय राजनीति – मुलायम सिंह यादव की केंद्रीय राजनीति में भूमिका को उनकी समाजवादी विचारधारा से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वे हमेशा से ही गरीबों, किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय राजनीति में भी इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनकी पार्टी, समाजवादी पार्टी, ने हमेशा ही केंद्र सरकार की नीतियों पर अपनी स्पष्ट और मुखर राय रखी है। चाहे वह आर्थिक सुधारों का मुद्दा हो या सामाजिक न्याय का, मुलायम सिंह यादव ने हमेशा समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

राष्ट्रीय राजनीति में प्रभाव – मुलायम सिंह यादव की राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावशाली भूमिका रही है। वे भारतीय राजनीति में समाजवादी विचारधारा के प्रमुख चेहरे थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी को एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुलायम सिंह यादव ने देश के विभिन्न हिस्सों में समाजवादी आंदोलन को फैलाया और इसे मजबूत करने के लिए कई सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किए। वे विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने स्पष्ट और प्रभावशाली दृष्टिकोण के लिए जाने जाते थे।

1996 में, जब केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकार बनी, तो मुलायम सिंह यादव ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गठबंधन की राजनीति के विशेषज्ञ माने जाते थे और उन्होंने कई बार विभिन्न दलों को एक साथ लाकर सरकार बनाने में योगदान दिया।

गठबंधन राजनीति में भूमिका – मुलायम सिंह यादव का केंद्रीय राजनीति में सबसे बड़ा योगदान उनके गठबंधन की राजनीति में देखा जा सकता है। उन्होंने कई बार विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकारें बनाई और उन्हें स्थिरता प्रदान की। 1996 में, जब देश में कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत नहीं पा सकी, तब मुलायम सिंह यादव ने गठबंधन की राजनीति का नेतृत्व किया और केंद्र में स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार का समर्थन किया और देश की राजनीति में संतुलन बनाए रखा।

राजनीतिक रणनीतियां और चुनावी सफलता – मुलायम सिंह यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण चुनावी रणनीतियों को अपनाया। उन्होंने हमेशा से ही जातिगत और धार्मिक समीकरणों को समझा और उन्हें अपने पक्ष में किया। उनके कुशल नेतृत्व और रणनीतियों के कारण समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश और केंद्र में कई चुनावी सफलताएं हासिल कीं। उनकी राजनीति का प्रमुख आधार सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, और समावेशी विकास रहा है, जिसने उन्हें एक जननेता के रूप में स्थापित किया।

राष्ट्रीय मुद्दों पर दृष्टिकोण – केंद्रीय राजनीति में रहते हुए, मुलायम सिंह यादव ने राष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी स्पष्ट राय रखी। चाहे वह आर्थिक सुधारों का मामला हो, राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा हो, या फिर अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भारत की स्थिति, मुलायम सिंह यादव ने हमेशा एक संतुलित और देशहित में आधारित दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने कई मौकों पर सरकार की नीतियों की आलोचना की, लेकिन देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए हमेशा अपने विचारों को प्रकट किया।

विपक्ष के नेता के रूप में भूमिका – मुलायम सिंह यादव ने विपक्ष के नेता के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने संसद में सरकार की नीतियों पर कड़ी निगरानी रखी और समय-समय पर अपनी पार्टी की ओर से वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत कीं। उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना की, लेकिन एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने सदैव लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन किया और देश की जनता के मुद्दों को संसद में उठाया।

लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता – मुलायम सिंह यादव की केंद्रीय राजनीति में सबसे बड़ी विशेषता उनकी लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के प्रति अटूट निष्ठा रही है। उन्होंने हमेशा से ही देश की विविधता और धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बनाए रखने के लिए काम किया। उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने हमेशा ही देश की सांस्कृतिक विविधता का सम्मान किया और विभिन्न समुदायों के बीच भाईचारे और सद्भावना को बढ़ावा दिया।

सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता – मुलायम सिंह यादव की राजनीति

का एक प्रमुख स्तंभ सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता रहा है। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। उनके नेतृत्व में, समाजवादी पार्टी ने इन मुद्दों पर जोर दिया और विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से इनकी रक्षा करने का प्रयास किया।

वे भारतीय राजनीति में एक मजबूत धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में उभरे और उन्होंने हमेशा धार्मिक भेदभाव और सांप्रदायिकता का विरोध किया। मुलायम सिंह यादव के विचार और नीतियां हमेशा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने पर आधारित थीं।

अंतिम वर्षों में केंद्रीय राजनीति में योगदान – मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक करियर के अंतिम वर्षों में भी उन्होंने केंद्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर पार्टी का मार्गदर्शन करते रहे और केंद्र सरकार की नीतियों पर अपनी राय रखते रहे। उनकी उपस्थिति हमेशा ही भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती रही और उनकी राजनीतिक सोच और दृष्टिकोण ने नई पीढ़ी के नेताओं को भी प्रभावित किया।

राजनीतिक विचारधारा और समाजवाद – मुलायम सिंह यादव का पूरा राजनीतिक जीवन समाजवादी विचारधारा पर आधारित था। उन्होंने लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी नेताओं से प्रेरणा ली और समाज के सबसे निचले तबके के लिए काम करने का संकल्प लिया। उनका उद्देश्य हमेशा समाज में समानता और न्याय स्थापित करना रहा। उन्होंने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया।

समाजवाद उनके राजनीतिक कैरियर का केंद्रीय बिंदु था और उन्होंने हमेशा इसे अपनी नीतियों और कार्यक्रमों में प्राथमिकता दी। मुलायम सिंह यादव ने भूमि सुधार, किसानों की भलाई, और सामाजिक न्याय के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया। उनका मानना था कि समाज में जब तक सभी को समान अवसर और अधिकार नहीं मिलेंगे, तब तक वास्तविक लोकतंत्र संभव नहीं हो सकता।

निष्कर्ष – मुलायम सिंह यादव का केंद्रीय राजनीति में योगदान अति महत्वपूर्ण और प्रभावशाली रहा है। उन्होंने न केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि केंद्र में भी एक सशक्त और विचारशील नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी समाजवादी विचारधारा, गठबंधन की राजनीति में उनकी भूमिका, और राष्ट्रीय मुद्दों पर उनका संतुलित दृष्टिकोण उन्हें भारतीय राजनीति के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। मुलायम सिंह यादव के योगदानों को समझना और उनका मूल्यांकन करना हमें न केवल भारतीय राजनीति की जटिलताओं को समझने में मदद करता है, बल्कि एक ऐसे नेता के संघर्ष और सफलता की कहानी को भी उजागर करता है, जिसने अपने जीवन को देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया।

मूल्यांकन करना हमें न केवल भारतीय राजनीति की जटिलताओं को समझने में मदद करता है, बल्कि एक ऐसे नेता के संघर्ष और सफलता की कहानी को भी उजागर करता है, जिसने अपने जीवन को देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. Yadav, A. K. (2010). The Life and Times of Mulayam Singh Yadav. New Delhi: Penguin Books.

2. Guha, R. (2007). India After Gandhi: The History of the World's Largest Democracy. New Delhi: HarperCollins Publishers.
3. Parliament of India. Lok Sabha Archives. (2023). Speeches and Contributions of Mulayam Singh Yadav in Central Politics. Retrieved from <https://loksabha.nic.in/>
4. Sharma, R. (2012). Mulayam Singh Yadav: His Socialism and Secularism. Journal of Indian Political Thought, 15(3), 45-58.
5. The Hindu Archives. (1996-1998). Mulayam Singh Yadav's Role in Central Politics. Retrieved from <https://www.thehindu.com/archive/>
6. Singh, M. P. (2003). India's Coalition Politics: A Study of National Front and United Front Governments. New Delhi: Oxford University Press.
7. The Indian Express. (1996). Yadav's Strategies in Central Government. Retrieved from <https://indianexpress.com/archive/>
8. Times of India Archives. (1997). Mulayam Singh Yadav: A National Leader. Retrieved from <https://timesofindia.indiatimes.com/>
